











## गोल्डन मोमेंट

भारत ने श्रीलंका का 19 रन से हराया

एजेंटी ►► हांगड़ोउ

युवा तेज गेंदबाज टिटास साधु के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने सोमवार को श्रीलंका को 19 रन से हराकर एशियाई खेलों की मिला क्रिकेट स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। बल्लेबाजी के लिए किंठन पिच पर भारतीय महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 116 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 97 रन ही बना सकी। भारत के लिए स्पृति मंथना (45 गेंद में 46 रन) और जेमिना रौईंग्ज (40 गेंद में 42 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 73 रन जोड़े।

## टिटास ने इंटके तीन विकेट

चार दिन बाद अपना 19वां जननदिन मनाने जा रही साथी ने चार ओवर में हुए रन देकर तीन विकेट लिया। उह भारत का एशियन गेम्स के क्रिकेट इंटके में बल्ला पकड़ है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट टीम नहीं लिया था। दूसरे दिन सोमवार को भारतीय एशियाई टेस्ट सेवे में भारतीय समेत 6 पदक जीते। निशानेबाजी की 10 मीटर एवर राफल टीम इंटके में भारत के बेटों ऐश्वर्य प्रताप सिंह, दिव्यांशु सिंह और रुद्रांशु पाटिल ने देसा को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। तीनों ने 189.37 स्कोर कर कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले वह यह रिकॉर्ड 189.33 स्कोर के साथ चीन के नाम था। उसके अलावा, ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने व्यक्तिगत 10 मीटर एवर राफल टीम में कांस्य अपने नाम किया। नौकरीयान एशियन गेम्स में भी क्रिकेट शामिल था, लेकिन 2018 के जकार्ता गेम्स में इंटके को एंट्री नहीं मिली। अब 9 साल बाद हांगड़ोउ एशियन गेम्स में क्रिकेट को फिर एंट्री मिली है।

## तीसरी बार क्रिकेट शामिल

एशियन गेम्स 1951 से खेले जा रहे हैं। लेकिन क्रिकेट को एंट्री 2010 में मिली। तब वांग्स्य में पहली बार क्रिकेट खेला गया था। 2014 में इंडियन एशियन गेम्स में भी क्रिकेट शामिल था, लेकिन 2018 के जकार्ता गेम्स में इंटके को एंट्री नहीं मिली। अब 9 साल बाद हांगड़ोउ एशियन गेम्स में क्रिकेट को फिर एंट्री मिली है।

भारत ने दो स्वर्ण सहित जीते 11 पदक, तालिका में छठे स्थान पर

भारत की बेटियों ने एशियाई खेलों में इतिहास रचते हुए स्वर्ण पदक जीते। उह भारत का एशियन गेम्स के क्रिकेट इंटके में बल्ला पकड़ है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट टीम नहीं लिया था। दूसरे दिन सोमवार को भारतीय एशियाई टेस्ट सेवे में भारतीय समेत 6 पदक जीते। निशानेबाजी की 10 मीटर एवर राफल टीम इंटके में भारत के बेटों ऐश्वर्य प्रताप सिंह, दिव्यांशु सिंह और रुद्रांशु पाटिल ने देसा को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। तीनों ने 189.37 स्कोर कर कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले वह यह रिकॉर्ड 189.33 स्कोर के साथ चीन के नाम था। उसके अलावा, ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने व्यक्तिगत 10 मीटर एवर राफल टीम में कांस्य अपने नाम किया। नौकरीयान एशियन गेम्स में भी क्रिकेट शामिल था, लेकिन 2018 के जकार्ता गेम्स में इंटके को एंट्री नहीं मिली। अब 9 साल बाद हांगड़ोउ एशियन गेम्स में क्रिकेट को फिर एंट्री मिली है।

## बेटियों ने क्रिकेट में रचा इतिहास, एशियाई में जीता स्वर्ण बेटों ने निशानेबाजी में बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, रहे शीर्ष पर



भारत की 10 मीटर एवर राफल टीम को विश्व एशियाई क्रिकेट टीम ने जीता स्वर्ण पदक। तीनों ने 189.37 स्कोर कर कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले वह यह रिकॉर्ड 189.33 स्कोर के साथ चीन के नाम था। उसके अलावा, ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने व्यक्तिगत 10 मीटर एवर राफल टीम में कांस्य अपने नाम किया। नौकरीयान एशियन गेम्स में भी क्रिकेट शामिल था, लेकिन 2018 के जकार्ता गेम्स में इंटके को एंट्री नहीं मिली। अब 9 साल बाद हांगड़ोउ एशियन गेम्स में क्रिकेट को फिर एंट्री मिली है।

यूपी के स्कूल में हुए थप्पड़ कांड पर सुप्रीम कोर्ट सखा, कहा...

# केंद्र सरकार की अंतरात्मा झकझोर जानी चाहिए

उग्र के स्कूलों में दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल किया और उस शिक्षिका के छात्रों से एक मुस्लिम छात्र को थप्पड़ मारने के लिए कहने की कथित घटना की जांच निगरानी के लिए एक आईपीएस अधिकारी को तैनात करने का राज्य सरकार को आदेश दिया।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में उप्र के मुजफ्फरनगर में एक विशेष समुदाय के स्कूली छात्र को उसके सहपाठी के एक शिक्षिका के अंदेश पर थप्पड़ मारे जाने के मामले में टिप्पणी करते हुए यह घटना जिस प्रकार से थी, उससे सरकार की अंतरात्मा झकझोर जानी चाहिए। जटिसद्वय अभय एस ओका व पंकज मिथ्यल की पीठ ने उत्तर प्रदेश के स्कूलों में दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल किया और उस शिक्षिका के छात्रों से एक मुस्लिम छात्र को थप्पड़ मारने के लिए कहने की कथित घटना की जांच निगरानी के लिए एक आईपीएस अधिकारी को तैनात करने का राज्य सरकार को आदेश दिया। पीठ ने कहा कि यह मामला गुणवत्तार्थी शिक्षा से संबंधित है, जिसमें संवेदनशील शिक्षा भी शामिल है।

**मणिपुर हिंसा के विस्थापितों के खोए आधार बनाए**  
सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मणिपुर हिंसा से दुर्गी याचिकाओं पर सुनवाई की। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने भारतीय विशेष पहाड़नाम प्रबिकरण और मणिपुर सरकार को निर्देश दिया कि हिंसा के दौरान जिस विस्थापित लोगों के अधार कांड खो गए, तो उनके आधार कांड बनाए जाएं। सीजेआई बैठक और जटिसद्वय अभय एस ओका व पंकज मिथ्यल की पीठ ने कहा कि सुनवाई अधिकारी के रिकॉर्ड और बायो-मैट्रिक्स का मिलान करने के बाद ही आधार कांड जारी किए जाएं। कोर्ट ने कहा कि सुनवाईआईएआई के पास पहले से बायो-मैट्रिक्स मौजूद है, जिसकी मदद से वह सत्यता की जांच कर आसानी से आधार कांड बना सकता है।



सुप्रीम कोर्ट में पहली बार मूक-बधिर वकील ने लड़ा केस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में 22 सितंबर को फली बार एक मूक-बधिर वकील सारा सारा ने केस की पैरेटी की। छहवें तीन अधिकारी वाली बैठक ने वृत्तिमान मायाम से समाली की सुनवाई की। मामले में एडवोकेट सारा सारी को इंटरेस्टर सोरभ रॉय चौधरी थे, जिन्होंने सारा के इशारों को समझकर कोर्ट के समाने उत्तर तर्क पढ़ा किए।

पहले कोर्ट के छठेल रूम में सारा के इंटरेस्टर सोरभ को पूरी सुनवाई के दौरान आपा वीडियो औंस रखने की अनुमति नहीं थी, लेकिन जब बैठक ने देखा कि यह लोगों से थी तो उन्होंने अपने कोर्ट में तर्क दे रहे हो तो सोरभ से भी वीडियो औंस करने के लिए कहा गया।

दरअसल, सोरभ कोर्ट में जिस तरह से सारा के समझकर उसे कोर्ट को बांध रखे थे, उससे जारी ही नहीं हो सका था कि सारा आपा बात इशारों में कह रहा है। ऐसे में सोरालिस्टर जरुर तुषार मेहता सहित सुनवाई के लिए वृत्तिमान जुड़े सभी लोगों सोरभ को देखने की जिजासा हुई। वही, सुनवाई खबर होने के बाद सभी ने सोरभ के काम की तरीफ भी की।

